हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 19 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कटरा की प्राचीन बावड़ी में मना बावड़ी उत्सव, श्रमदान कर की सफाई

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे व सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना के मार्गदर्शन में जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत ग्राम कटरा की प्राचीन बावड़ी में बावड़ी उत्सव मनाया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में श्रमदान कर बावड़ी की सफाई की गई, फिर आरती-पूजन के बाद दीपदान किया गया। जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि 16वीं शताब्दी में गोंड शासक रानी दुर्गावती और राजा हृदय शाह के काल में मुसाफिरों व सैनिकों के लिए यह बावड़ी बनवाई गई थी। उन्होंने कहा कि ऐसी ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण हम सबका दायित्व है। विकास खंड समन्वयक श्री संतोष झारिया ने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। पूरे माह जल स्त्रोतों की सफाई में योगदान देने वाले बीएसडब्ल्यू-एमएसडब्ल्यू के छात्रों को प्रमाण पत्र बांटे गए। कार्यक्रम में परामर्शदाता श्री संतोष रजक, श्रीमती रागिनी हरदहा, श्री आशीष नामदेव, नवांकुर संस्था के श्री जितेन्द्र लारेश्वर, ग्राम विकास समिति पदाधिकारी श्रीमती प्रेमकुमारी रघुवंशी, स्थानीय ग्रामीण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

15 अगस्त तक चलेगा विशेष खाद्य सुरक्षा जागरूकता अभियान

मिलावटखोरों पर होगी सख्त कार्रवाई

*** सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री पर रोक लगाने विचार।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने, मिलावटखोरी पर नियंत्रण तथा आगामी वर्षाकाल में जनस्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता मानकों के पालन तथा जनजागरूकता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

अधिक खपत वाले क्षेत्रों में चलेगा विशेष जाँच अभियान

बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने निर्देश दिए कि जिले के सभी खाद्य प्रतिष्ठानों का अद्यतन डाटाबेस तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों की सप्लाई एवं खपत अधिक है, वहां विशेष जांच अभियान संचालित कर खाद्य सामग्रियों के नियमित सैंपल लिए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मानसून को देखते हुए 15 अगस्त तक चलेगा जागरूकता अभियान

आगामी वर्षा ऋतु में जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों की आशंका को देखते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने जिले के सभी खाद्य ठेला व्यवसायियों, होटल संचालकों एवं छोटे दुकानदारों के लिए 15 अगस्त तक विशेष खाद्य सुरक्षा जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए।

अभियान के दौरान प्रतिष्ठानों में अनिवार्य रूप से कूड़ेदान की व्यवस्था, स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल का उपयोग तथा खाद्य सामग्री को ढंककर रखने के संबंध में व्यापक जागरूकता की जाएगी। उन्होंने इस अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए स्वयंसेवकों की टीम तैयार करने तथा इन्फोटेनमेंट आधारित वीडियो क्लिप्स एवं जनसंचार माध्यमों के जरिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

एक्सपायरी उत्पादों की बिक्री पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर श्री धोटे ने अधिकारियों को बाजार में विक्रय हो रहे पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की एक्सपायरी डेट की नियमित जाँच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि पूर्ण होने के बाद भी उत्पाद बेचने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में चाय दुकानों एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में प्रतिबंधित पॉलीथिन तथा सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री के उपयोग पर प्रभावी रोक लगाने के उपायों पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को ऐसे मामलों पर सतत निगरानी रखने और उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

मिलावटी खाद्य पदार्थों पर रहेगी विशेष निगरानी

बैठक में मिलावटखोरी के विरुद्ध अब तक की गई वैधानिक कार्रवाइयों तथा जुर्माना वसूली की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री धोटे ने बाजार में बिकने वाले संवेदनशील खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

इस दौरान रासायनिक अवशेषों से मुक्त फल एवं सब्जियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, एनर्जी ड्रिंक्स एवं सॉफ्ट ड्रिंक्स की गुणवत्ता, मिलावटी पनीर, मावा एवं मिठाइयों की जांच सहित अन्य खाद्य सुरक्षा संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के अंत में कलेक्टर धोटे ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर निकली भव्य शौर्य यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

जिले के बिछिया में वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर बिछिया नगर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाराणा प्रताप की झांकी दुर्गा मंच बिछिया से भुआ राम मंदिर के लिए रवाना हुई तथा नगर भ्रमण के पश्चात पुनः कार्यक्रम स्थल दुर्गा मंच वापस पहुंची। झांकी एवं शौर्य यात्रा ने नगरवासियों का मन मोह लिया।जयंती समारोह के तहत सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म एवं संस्कृति के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। इस अवसर पर सेवा निवृत शिक्षक रोहड़ी प्रसाद शुक्ला द्वारा महराणा प्रताप के शौर्य गाथा पर अपनी स्वरचित कविता गाई ओर कार्यक्रम की सराहना की इसके बाद महाराणा प्रताप शौर्य यात्रा धमाल और डीजे के साथ पूरे उत्साह एवं जोश के साथ निकाली गई। यात्रा के दौरान युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा महाराणा प्रताप के जयघोषों से पूरा नगर गूंज उठा।हजारों की संख्या में राजपूत समाज, करणी सेना परिवार एवं सर्व सनातन समाज की सहभागिता ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलने और राष्ट्र, धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। पूरे आयोजन में अनुशासन, उत्साह और समाज की एकजुटता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आयोजन करणी सेना परिवार एवं राजपूत समाज बिछिया द्वारा किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में करणी सेना परिवार के प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र सिंह भाटी उपस्थित रहे। उनके साथ जीवन सिंह शेरपुर, रणधीर सिंह राजपूत जिला अध्यक्ष छिंदवाड़ा, मुकेश राजपूत जिला अध्यक्ष मंडला, जोश सिंह ठाकुर, अशोक राजपूत अध्यक्ष राजपूत समाज बिछिया, रानू रणधीर सिंह राजपूत नगर परिषद उपाध्यक्ष, अजय सिंह ठाकुर कार्यकारिणी अध्यक्ष, विजय सिंह राजपूत जिला संयोजक मंडला, शैलू राजपूत ब्लॉक अध्यक्ष करणी सेना, डाल सिंह राजपूत,बलदाऊ राजपूत, संदेश राजपूत, प्रखर, अमन, अभिषेक, दान सिंह, नरेश, रोहन सिंह, लेखन सिंह, नरेश राजपूत, डमरू सिंह, नितेश राजपूत, ज्ञानी सिंह राजपूत, संदीप सिंह, विपिन राजपूत, नारायण सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन, युवा एवं मातृशक्ति उपस्थित रही।

विकसित भारत सम्मेलन में पहुंचे हितग्राही व्यापारी एवं प्रबुद्धजन

*** मोदी जी के 12 वर्ष विश्वास, विकास, जनकल्याण को लेकर आयोजित हुआ कार्यक्रम।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भारतीय जनता पार्टी द्वारा नगर पालिका टाउन हॉल में 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के विषय पर हितग्राही, प्रबुद्धजन एवं व्यापारी सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण से किया गया। सम्मेलन में केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों, नगर के प्रबुद्धजनों, व्यापारियों एवं चिकित्सकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से हितग्राही ममता रजक, वरिष्ठ व्यापारी अशोक गुरवानी एवं चिकित्सक डॉ. मुकेश तिलगाम का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया तथा उन्हें केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री सम्पतिया उईके, पूर्व विधायक देव सिंह सैयाम, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम एवं नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रवीण तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री सम्पतिया उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। केन्द्र सरकार की योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। आज गरीब, किसान, महिला, युवा एवं व्यापारी सभी वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केन्द्र सरकार ने जन विश्वास को मजबूत करते हुए विकास की नई गाथा लिखी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व पटल पर नई पहचान बना रहा है। भाजपा की सरकार ने बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। गरीब कल्याण, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, डिजिटल क्रांति और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में केन्द्र सरकार की भूमिका ऐतिहासिक रही है।

वरिष्ठ पत्रकार स्व सुनील नामदेव की प्रथम पुण्यतिथि पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर किया फल वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

वरिष्ठ पत्रकार, पूर्व मंडी बोर्ड विशेषज्ञ सामाजिक एवं धार्मिक कार्यकर्ता, सभी के प्रेरणा स्त्रोत, स्व. सुनील नामदेव की 18 जून को पुण्यतिथि के अवसर पर आज स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उनके परिवार एवं शुभचिंतको ओर कार्यकर्ताओं द्वारा आज प्रातः 11:00 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच कर उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर मरीजों एवं उनके साथ आए परिवार के लोगों को व समस्त स्वास्थ्य विभाग के स्टाप को फल वितरण कर अस्पताल परिसर में दो मिनट का मौन धारण कर सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस अवसर उनके परिवार से, भाई सुधीर नामदेव, बेटा शिवांग (मनु) नामदेव , जगदीश ठाकुर, राजेंद्र साहू, यशवंत बजाज,बलराम शुक्ला, सहित अनेक समाजसेवी शुभ चिंतक ओर कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रक्तदान | **माहिष्मती घाट से होगी शुरूआत, ज्ञानदीप स्कूल एवं जिला अस्पताल में लगेंगे कैम्प।**

500 यूनिट रक्त संग्रहण का निर्धारित किया लक्ष्य

*** योग दिवस पर मंडला में वृहद रक्तदान शिविर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विश्व योग दिवस 21 जून के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस मेगा कैंप में 500 यूनिट ब्लड कलेक्शन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। रक्तदान शिविर के लिए माहिष्मती घाट, जिला चिकित्सालय और ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल तीन स्थान तय किए गए हैं।

सामूहिक योग के बाद रक्तदान से होगी शुरुआत

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 जून को सुबह सामूहिक योगाभ्यास के समापन के पश्चात 8 बजे माहिष्मती घाट पर रक्त संग्रहण मोबाइल यूनिट में रक्तदान किया जाएगा। प्रशासनिक अधिकारियों एवं गायत्री परिवार के स्वयंसेवकों द्वारा रक्तदान कर शिविर का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। इसके तुरंत बाद सुबह 9 बजे से जिला चिकित्सालय और ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम स्कूल में आम नागरिकों के लिए विशेष रक्तदान शिविर शुरू हो जाएंगे। दोनों केंद्रों पर देर शाम तक रक्त संग्रहण का कार्य जारी रहेगा।

कलेक्ट्रेट में हुई तैयारियों की समीक्षा बैठक

गुरुवार को कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में वृहद रक्तदान शिविर की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने की। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रक्तदान शिविर की जानकारी दें और अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इस पुनीत कार्य में सभी की भागीदारी जरूरी है।

सीईओ ने दिए व्यवस्थाओं के निर्देश

सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना ने शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि माहिष्मती घाट पर सुबह आयोजन के साथ शिविर की औपचारिक शुरुआत कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय और ज्ञानदीप स्कूल में शिविर के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं एक दिन पहले यानी 20 जून तक हर हाल में पूरी कर ली जाएं। दोनों स्थानों पर पर्याप्त टेंट, कुर्सियों, स्वच्छ शीतल पेयजल, पंजीयन काउंटर और रक्तदाताओं के विश्राम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही पर्याप्त संख्या में चिकित्सक, लैब टेक्नीशियन और पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी लगाई जाए ताकि रक्तदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सामाजिक संगठनों से भी किया आग्रह

बैठक में शासकीय विभागों के अलावा सामाजिक संगठनों को भी इस अभियान से जोड़ा गया। जिला अधिवक्ता संघ, गायत्री परिवार, निजी बैंकों के समन्वयक, संत निरंकारी आश्रम, पूज्य सिंधी पंचायत, विश्व हिन्दू परिषद सहित अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों से रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया गया। सभी संगठनों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीजे मोहंती, जिला आयुष अधिकारी डॉ. गायत्री अहाके, जिला परिवहन अधिकारी बिमलेश गुप्ता, जिला कोषालय अधिकारी अखिलेश नेटी, अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री सुजाय कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक भगवान दास भैंसारे, जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एड. रामेश्वर झारिया, विश्व हिन्दू परिषद जिला अध्यक्ष एड. मनोज फागवानी, पूज्य सिंधी पंचायत जिला अध्यक्ष श्री पारस असरानी सहित अन्य संबंधित अधिकारी और संगठन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कलेक्टर ने ली जिला खनिज प्रतिष्ठान की समीक्षा बैठक

*** 30 जून तक पूर्ण करें वर्ष 2023-24 के सभी लंबित कार्य-कलेक्टर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) के अंतर्गत संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि के प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग, वार्षिक कार्ययोजना, लंबित निर्माण कार्यों की प्रगति तथा नवीन दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई। इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रीता एस.एम., मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, जिला खनिज अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने निर्देश दिए कि शासन द्वारा जारी नवीन प्रावधानों के अनुरूप खनन गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्रों का पुनः चिन्हांकन किया जाए, ताकि डीएमएफ निधि का लाभ वास्तविक रूप से प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि निधि के उपयोग में पूर्ण पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। नवीन व्यवस्था के अनुसार कुल उपलब्ध राशि का 70 प्रतिशत भाग प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित क्षेत्रों के विकास कार्यों पर तथा शेष 30 प्रतिशत राशि अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित क्षेत्रों में जनहितकारी कार्यों के लिए व्यय की जाएगी।

लंबित कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश

कलेक्टर श्री धोटे ने वर्ष 2023-24 के अंतर्गत स्वीकृत 13 लंबित कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को 30 जून तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि कार्य पूर्ण होने के उपरांत लंबित भुगतान भी तत्काल किए जाएं, ताकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने निरस्त किए जा रहे पुराने कार्यों का विभागीय स्तर पर पुनः परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित हों विकास योजनाएं

कलेक्टर श्री धोटे ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि डीएमएफ मद से प्राप्त राशि के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाए तथा प्राप्त प्रस्तावों का व्यवस्थित संकलन कर प्राथमिकता निर्धारित की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की योजना बनाते समय स्थानीय समुदाय की वास्तविक आवश्यकताओं को केंद्र में रखा जाए, जिससे योजनाओं का अधिकतम लाभ आमजन तक पहुंच सके।

खबर संक्षेप

सांईखेड़ा में लग रहे जाम को लेकर उदासीनता बरत रहा प्रशासन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा । इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा को जहां ग्राम पंचायत से नगर पंचायत व तहसील का दर्जा मिल जाने के कारण अब इस कसबा ने बड़ा रूप धारण तो कर ही लिया गया है, वही यहां से प्रदेश स्तर के मार्ग का निर्माण होने के बाद स्थिति इस प्रकार से हो गई है कि अब इस क्षेत्र से बड़े वाहन निकल रहे है, क्योंकि मार्ग का नगर के अंदर से निकलने का यह परिणाम है कि आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता चला जा रहा है, वही नगर के अंदर से निकले हुए मार्ग चलते जहां आये दिन जाम की स्थिति निर्मित तो हो ही रही है, इतना ही नही यहां से बड़े वाहनों के 24 घंटे निकलने से आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरे के घंटी भी बजते हुए देखी जा रही है? क्योंकि जब से सांईखेड़ा उदयपुरा जाने वाले मार्ग के बीच नर्मदा नदी पर पुल का निर्माण हुआ है उस समय से यहां से जिस प्रकार के वाहन गुजर रहे है उसके कारण इन वाहनों का नगर के मध्य से निकलना खतरे से खाली नही है? क्योंकि इसी मार्ग पर जहां तहसली कार्यालय पड़ता है, वही दूसरी ओर जनपद कार्यालय होने के साथ साथ साप्ताहित बाजार भी सड़क किनारे लगने के कारण लोगों की जिन्दगी के लिए आये दिन खतरा साबित हुए हुये जान पड़ रहे है। इतना ही नही इस सड़क से इस प्रकार से बड़े वाहनों के निकलने के कारण सड़कों की दुर्गति भी होते हुए देखी जा रही है? इस प्रकार की स्थिति को देखते हुए नगरवासियों द्वारा बच्चों के स्कूली समय तथा साप्ताहिक बाजार के दिवस पर नगर के मध्य से गुजरने वाले बड़े वाहनों के निकलने पर रोक लगाये जाने की मांग की गई है, मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा नगरवासियों की मांग को जिस प्रकार से नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते यह जान पड़ने लगा है कि शायद प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किसी दिन कोई बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है?

क्या विकास की गति शुक्रवारा बाजरिया की सूरज बदलने की सोच बनायेगी..?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। बदले दौर में शहर के बाजार का विस्तार होने के बावजूद शहर के शुक्रवारा बाजार की उस बजारिया की तस्वीर दुर्भाग्य से अभी तक नही बदल पायी है, जिसमें अधिकतर टीन का काम कर जीविका चलाने वाले, टेलर,केशकल्पी, मानिहारी की सामग्री बेचने वाले लोग पूरी ताकत से मेहनत कर अपनी रोजीरोटी चलाते है। गौरतलब है कि इस बजरिया में संकीर्णता होने की स्थिति में बहुत सी छोटी अव्यवस्थित दुकानो का जाल फैला हुआ है और ग्राहको की भीड़ अधिक होने पर उक्त बजारिया में आवागमन करना कठिन हो जाता है, इस शुक्रवारा बजारिया में अनेक लोग बीते हुई कई वर्षो से अपनी दुकाने चला रहे व्यापारियो ने बताया कि वे तरतीब से इस बजारिया में दुकाने बनने का लम्बे समय से इंतजार कर रहे है। मगर बदनसीबी से उनका यह अरमान पूरा नहीं हुआ है, जिसका परिणाम है कि वे बजारिया में मूलभूत सुविधाओं की कमी की समस्या झेलते हुए बाबा आदम के जमाने की बनी बेनूर दुकानो का संचालन कर अपने परिवारजनो का भरण पोषण करने मजबूर है, उनका कहना है कि क्षेत्र में लगातार विकास होने के बाद भी नगर की इस शुक्रवारा बजारिया की दशा में बदलाव करने अभी तक प्रशासन ने प्रयास नही किए है, उन्होने शासन प्रशासन से गुहार लगायी है कि शुक्रवारा बजारिया का कायाकल्प करने की दिशा में शीघ्र पहल की जाए।

बगैर परमिट दौड़ रहे चार पाहिया वाहन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। आबादी के बढ़ते दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी व मैजिक गाड़ी धडल्ले से चल रहे है, कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराये से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरासर परिवहन नियमों की अवहेलना में आता है? एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है, वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व मे भी कमी आ रही है।

ग्राम चोर बरहटा से मेहराखेड़ा के बीच बोर्ड छोड़कर मौके से गायब हुई सड़क को क्या खोजने सफल हो पायेगा संबंधित विभाग...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

केन्द्र सरकार से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीणों को सुविधा पहुंचाने के साथ साथ युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने की सोच रखते हुये गांव गांव प्रधानमंत्री या फिर मुख्य मंत्री सड़क योजना के तहत पक्की सड़को का निर्माण कराने के लिये हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है। मगर इन सड़को का निर्माण कराने वाले जिम्मेदारों की मिली भगत का परिणाम इस तरह से देखने मिलता है कि सरकारी धन की होली खेलते हुये इन सड़को का निर्माण इस गुणवत्ता के साथ किया जाता है कि वह चंद दिनों के अंदर ही अपनी गुणवत्ता की कहानी उजागर करने से नही चूकती है या फिर ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सिर्फ कागजों पर ही तैयार होकर रहे जाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चीचली ब्लाक के ग्राम चोर बरहटा से ग्राम मेहराखेड़ा के बीच कुछ वर्ष पहले बनी हुई प्रधानमंत्री सड़क को देखते हुये जान पड़ रहा है। बताया जाता है कि शासन द्वारा पहुंच बिहीन माने जाने वाले इन ग्रामों में निवास करने वाले लोगों को शहर से जोड़ने की सोच रखते हुये प्रधान मंत्री सड़क योजना के 20.35 लाख रूपया स्वीकृत करते हुये इन दोनों गांवों के बीच प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत पक्की सड़क का निर्माण होना था। वही जब बीते हुये दिवस हमारी टीम द्वारा मौके पर जाकर देखा गया तो पक्की सड़क का नामोनिशान ही नजर नही आ रहा था। यह बात जरूर है कि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा सड़क निर्माण के नाम पर स्थापित किया गया वोर्ड जरूर झाड़ियो के बीच अपनी बदहाली पर आंसू बहाने के लिये मजबूर होते हुये दिखाई पड़ रहा था। मौके पर लगे हुये वोर्ड के अनुसार इस सड़क का निर्माण कार्य 29 सितम्बर 2012 से शुरू हुआ है तथा निर्माण कार्य पूर्ण होने की तिथि 28 जून 2013 दर्ज देखी जा रही है। वही निर्माण कार्य करने वाली कंपनी श्रीकृष्ण कंस्ट्रक्सन कंपनी शिवपुरी व जिस संस्था के मार्ग दर्शन में कार्य पूर्ण होना था वह महाप्रबंधक (म.प्र. ग्रा.स.वि. प्रा.) दर्ज दिखाई पड़ रहा है। इस तरह बीस लाख से भी अधिक की राशि से बनने वाली इस प्रधानमंत्री सड़क को लेकर मौके पर लगे हुये वोर्ड की सच्चाई पर गौर किया जावे तो 28 जून 2013 निमार्ण कार्य हो चुका है? मगर मौके पर वोर्ड के आलवा सड़क नजर ही नही आ रही है सिर्फ निर्माण कार्य के नाम पर पत्थर जरूर दिखाई पड़ रहे है जिससे लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि कही ऐसा तो नही की सड़क चोरी हो गई हो..? मान लिया जावे के निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा आज से लगभग 10-11 वर्ष पहले यानि की वर्ष2013 में इस प्रधानमंत्री सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया गया था तो फिर यह सबाल पैदा होने से नही चूक पायेगा कि आखिरकार किस गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य किया गया होगा जिसके चलते चंद वर्ष के अंदर ही सड़क का मौके से नामोनिशान ही गायब हो गया है। जबकि नियम के अनुसार प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत निर्माण कार्य करने वाली कंपनी का निर्माण की गई सड़क पर पांच वर्ष तक की गारंटी होती है और यदि कोई टूट फूट होती है तो उसको सुधार कार्य करते हुये उसे सुरक्षित रखा जाता है। इस तरह मौके पर लगे हुये वोर्ड के हिसाब से चार वर्ष तक तो निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी थी जिसके चलते वर्ष 2018 तक इस सड़क को किसी भी प्रकार से क्षति पहुंच ही नही सकती थी? वही कंपनी की गारंटी से बाहर इस सड़क को मात्र 6-7 साल ही अतिरिक्त हुये है इन 6 सालो के बीच पूरी सड़क ही गायब नजर आने से नही चूक रही है? कही ऐसा तो नही की इस सड़क का निर्माण कार्य सिर्फ कागजों पर ही पूरा हो गया हो ... खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने? मगर सड़क निर्माण के नाम पर मौके पर सिर्फ चंद पत्थर ही नजर आ रहे है और वह पत्थर भी क्षेत्र की नदियो से अवैध खनन करने होने की सच्चाई उजागर करते हुये जान पड़ रहे है? क्योंकि किसी भी प्रधानमंत्री सड़क निर्माण में गोल पत्थरों के माध्यम से निर्माण कार्य नही होता है जिसके चलते सड़क पर पड़े हुये पत्थरों से यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि यह पत्थर शायद ग्रामीणों द्वारा अपनी सुविधा के लिये आसपास के नदियों से उठाकर डाले गये होगे? इस प्रकार से ग्राम चोर बरहटा से ग्राम मेहराखेड़ा के बीच लगभग 11 वर्ष पहले निर्मित हुई 20 लाख से भी अधिक कीमत की सड़क की यदि निष्ठा के साथ जांच होती है तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी? इस संबंध में क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि इस सड़क का निर्माण हो जाता तो निश्चित तौर से हम लोगों को काफी सुविधाये मिलने लगती। क्योंकि रात के समय हम लोगों को खेतों में आने जाने या फिर जरूरत पड़ने पर डोगरगांव पुलिस थाना जाना पड़ता है तो इसी सड़क से आना जाना करते है। मगर आज भी हमे कच्ची सड़क से अपनी जिन्दगी दांव पर लगाकर निकलने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है।

राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर नाली का गंदा पानी बहने से सड़क ले रही नाले का रूप

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय जिस प्रकार से नगर के समीप से निकला हुआ राष्ट्रीय स्तर का राज मार्ग यानि की गाडरवारा करेली मार्ग पर जहां तहां निकल रहे गड्डे आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बनते हुये जान लेवा साबित होते हुये देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर नगर के वायपास मार्ग पर अनुसूचित जाति छात्रावास के पास बनी हुई इस मार्ग की सीमेन्ट सड़क पर दिन भर नाली का गंदा पानी बहने के कारण यह सड़क सड़क के रूप में कम और नाली के रूप में अधिक दिखाई देने से नही चूक रही है? क्योंकि सीमेन्ट सड़क से दिन भर नाली का गंदा पानी बहने की स्थिति में जहां एक ओर सड़क को क्षति पहुंचते हुये तो देखी ही जा रही है, वही दूसरी ओर जब इस मार्ग से तेज गति के साथ बड़े वाहनों का निकलना होता है तो यह गंदा पानी वाहन के समीप से निकलने वाले लोगों की सूरत बदलने में भी कोई कसर नही छोड़ रहा है? इस स्थिति में चलते राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर इस प्रकार से नाली का गंदा पानी बहने की सच्चाई जहां आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बनते हुये देखी जा रही है, मगर इसके बाद भी किसी भी जिम्मेदार द्वारा इस सच्चाई की ओर ध्यान न देना निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है?

नगर की कॉलोनियों से लेकर कुलियों में मनमर्जी से बनाये स्पीड ब्रेकर दे रहे दुर्घटनाओं को आमंत्रण, प्रशासन की अनदेखी पड़ रही भारी...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

किसी भी नगर व क्षेत्र की सड़को से लेकर अन्य आमजन की सुविधाओं की जिम्मेदारी संबंधित शासन प्रशासन की होती है। जहां पर किसी सुविधा की कमी होती है तो वहां पर व्यवस्था बनाई जावे और किसी जगह कोई परेशानी पैदा हो रही है तो वहां पर सुधार कार्य किया जावे? मगर इन दिनों नगर पालिका क्षेत्र की सड़को पर जिस तरह लोगों द्वारा मनमर्जी के मुताबिक अपने घरों में सामने स्पीट ब्रेकरों का निर्माण कार्य किया जा रहा है उसके चलते आम लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने के साथ वाहनों को जहां क्षति पहुंचने से नही चूक रही है। मगर शासन प्रशासन में बैठे हुये जिम्मदारों की उदासीनता पूर्ण सच्चाई उजागर होने से नही चूक पा रही है..? जबकि गौर किया जावे तो इस तरह सड़को पर बनाये जाने वाली स्पीट ब्रेकरों को लेकर तो मा. उच्च. न्यायालय द्वारा भी रोक लगाई गई। वही दूसरी ओर यदि अति जरूरत पर कही स्पीट ब्रेकर का निर्माण किया भी जाता है तो उसके लिये संबंधित संस्था से अनुमति लेकर स्पीट ब्रेकर के माप दंडो का पालन करते हुये निर्माण के बाद संकेतिक सूचना स्थापित की जाती है। मगर नगर की मुख्य सड़कों से लेकर कालोनियों व कुलियों में जिस तरह लोगों द्वारा अपनी मनमर्जी के मुताबिक स्पीट ब्रेकरों का निर्माण किया जा रहा है उसको लेकर प्रशासन पूर्णरूप से उदासीन होने के साथ साथ अनजान बना हुआ है। इस तरह मा. उच्च न्यायालय के आदेशों की अव्हेलना करते हुये मन मुताबिक बनाये जाने वाले स्पीट ब्रेकरों के चलते आम लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने के साथ साथ लोगों के वाहनों को क्षति पहुचाने के साथ साथ दुर्घटनाओं को मामंत्रण देने से नही चूक रहे है..। इस बात की सच्चाई की अनेक कालोनियों से लेकर वार्डों में देखने मिल रही है। मगर हैरत की बात है कि जिन मुख्य मार्गों से लेकर कालोनी की गलियों का कुलियों में बनाये गये इन स्पीट ब्रेकरों से जहां प्रतिदिन नगर पालिका प्रशासन की कचरा एकत्र करने वाली गाड़ियों से लेकर अधिकारियों का आना जाना होता रहता है। वही दूसरी ओर नगर पालिका द्वारा जिस तरह कर्मचारियों की जो फौज तैयार की गई है उसका भी आना जाना होने के बाद भी इस ओर ध्यान न देना निश्चित तौर से नगर के पेहरेदारों की उदासीनता पूर्ण कार्य शैली को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है? क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि जब नगर में लोगों के घरों का निर्माण होने या फिर सड़क के इस पार से उस पार कोई लाईन ले जाने के लिये पक्की सड़क की खुदाई की जाती है तो उसके बाद आवास निर्माण की सामग्री बच जाती है उसके माध्यम से लोग अपने घरों के सामने स्पीट ब्रेकर बना देता है। इस बात की सच्चाई देखी जावे तो इस समय नगर के कुचबंदिया मुहल्ला में आसानी से देखने मिल सकती है। जहां पर मुख्य मार्ग पर लोगों द्वारा अपनी मनमर्जी से अनेक जगहों पर इतनी ऊंचाई बाले स्पीट ब्रेकर बनाये गये है जिनके ऊपर से जब कोई भी वाहन निकलता है तो लोगों को चोटे लगने से नही चूक पाती है तो दूसरी ओर कोई स्कूटी हो या फिर किसी की कार निकलते है तो उसका निचला भाग इन स्पीट ब्रेकरों में टकराने से वाहन को क्षति पहुंचने से नही चूक पाती है। इसके आलवा नगर में अनेक जगहों पर मन मुताबिक लोगों द्वारा बनाये गये इन स्पीट ब्रेकरों के चलते आये दिन वाहन फिसलने के चलते लोगों को घायल होते हुये देखा जाना आम बात होने लगी है। नगर के लोगों द्वारा नगर पालिका प्रशासन के साथ साथ जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की गई है कि मा. उच्च न्यायालय के आदेशों की अव्हेलना करते हुये मन मुताबिक बनाये गये इन स्पीट ब्रेकरों को हटाने की कार्यवाही की जावे जिससे वाहन चालकों की जिन्दगी व उनके वाहन सुरक्षित रहे सके।

सालीचौका रेल्वे स्टेशन पर अव्यवस्थाओं का बोलबाला, अधिकारियों से लेकर जिम्मेदारों द्वारा किया जा रहा नजरअंदाज यात्री हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका ।

जहां एक ओर रेल विभाग द्वारा अपने यात्रियों को अच्छी सुविधाएं प्रदान करने की बात कही जाती है, वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि सालीचौका रेल्वे स्टेशन पर उचित व्यवस्थाएं नही होने के कारण यात्री परेशान होते रहते है। बताया जाता है कि सालीचौका रेल्वे स्टेशन से क्षेत्र के लगभग 50 से अधिक गांवों के लोग यात्रा करने के लिए पहुंचते है। लेकिन यात्रियों की सुविधाओं के लिए यहॉ पर न तो सुविधा जनक यात्री प्रतिक्षालय है और न ही आरक्षण टिकिट काउंटर तथा पार्सल कार्यालय भी नही है जिस बजह से नगरवासियो तथा आसपास से आये यात्रियों को भारी परेशानियों का समाना करना पड रहा है। वही दूसरी ओर सालीचौका रेल्वे परिसार में एक नल से पेय जल के माध्सम से काम चलाना पड रहा है यहॉ पर देखने के लिए नल के स्तंभ तो खडे है पर उनमें नल का कही अता पता नही रहता है जिसके चलते वह मात्र शोभा की सुपानी बनकर रह गये है? वही यात्रियों के लिए एक ही टिकिट खिडकी से यात्रिओं को आरक्षण तथा साधारण टिकिट लेना पडती है तथा उसी जगह से पार्सल कार्यालय का संचानल होता है जिसके चलते

जहां टिकिट लेने में यात्रियों को परेशानी हो रही है। वही आरक्षण टिकिट की व्यवस्था को लेकर भी बताया जाता है कि कभी टिकिट मिलना शुरू हो जाता है तो कभी बंद कर दिया जाता है..? वही दूसरी ओर दूर दराज के ग्रामों से आये यात्रियों को प्रतिक्षालय के अभाव में इधर उधर भटकने को मजबूर होंना पड रहा है। गौर किया जावे तो यहां पर सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह है कि यहां पर अनेक जरूरी ट्रेनों के न रूकने के चलते लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये अन्य ट्रेन पकड़ने लिए या तो गाडरवारा जाना पड़ता है या फिर पिपरिया जिसके चलते क्षेत्र के लोगों द्वारा रेल प्रबंधन से जनहित में मांग की है कि उक्त समस्याओ को ध्यान में रख कर शीघ्र से शीघ्र निराकरण हो सके कुछ लोगो नाम न छापने की शर्त पर कहना है यहॉ शाम होते ही सुरा प्रेमियो के द्वारा डेरा जमा लिया जाता है जिस बजह से महिलाओं को बहुत ही दिक्कतो का मुह देखना पड़ता है? महिलाये अपने आप को यहॉ असुरक्षित समझती है, इस संबंध में यहां के अनाज व्यवसासियों का कहना है कि ये बात सही है कि यहॉ की रेल्वे स्टेशन पर न तो पूर्ण सुविधा जनक यात्री प्रतिक्षालय है और न ही पेय जल की ठीक तरह व्यवस्था है ग्रामीण अंचल से आये लोगो के लिए यहॉ प्रतिक्षालय का होना अति आवश्यक है और साथ ही प्रतिक्षालय की वजह से महिलाओं को बैठने में असुविधा होती है। वही दूसरी परेशानी तो यह है कि यहॉ भोपाल जाने के लिए कोई ट्रेन भी नही थी मात्र रात्री के समय एक ही ट्रेन नर्मदा एक्सप्रेस थी मगर लगभग एक साल से एक और मिल चुकी है? वही रेल सुविधाओं से बंचित रह रहे सालीचौका क्षेत्रवासियों का कहना है कि यहॉ शाम होते ही रेल्वे स्टेशन पर शराब पीने वालो की संख्या दिनों दिन बढती ही जा रही है जिसके चलते जहां यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वही दूसरी ओर एकल टिकिट खिलड़ी के कारण भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वही प्रकार से जब समीपस्थ कुछ ग्रामों के लोगो से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि जब कभी हम रात्री के समय में जबलपुर से सालीचौका आते है तो यहॉ पर सुविधा जनक यात्री प्रतिक्षालय तक नही है जहां पर कोई यात्री रात के समय रूक सके, क्योंकि बना हुआ यात्री प्रतिक्षालय पूर्ण रूप से असुरक्षित है, इस बजह से हमे रात्री के समय मे ही 12 बजे से 1 बजे के बीच ग्रामों को पैदल जाना होता है जिससे हमे असुरक्षा की स्थिती बनी रहती है।

क्या भैया इन्हें भी अब पुलिस थाने में गुहार लगाने होना पड़ रहा है मजबूर..?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस समय जिस प्रकार से नगर की सड़को पर आवारा पशुओं की धमचौकड़ी के चलते आम लोगों के साथ साथ वाहन चालको को जिस प्रकार से परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि लोग आये दिन सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं के चलते दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो प्रशासन की उदासीनता का परिणाम है कि इस समय नगर के हर चौराहे आवारा पशुओं की मटर गस्ती के चलते स्कूली बच्चों का निकलना मुश्किल होते हुए तो देखना आम बात हो चुकी है, मगर स्थिति इस प्रकार से बन चुकी है कि अब नगर के शासकीय कार्यालयों में डेरा जमाने से भी यह आवारा पशु कोई गुंजाईस छोड़ने से नही चूक रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते दिवस उस समय देखने मिली जब नगर के पुलिस थाने के ठीक सामने ही जिस प्रकार से आवारा पशुओं ने अपना डेरा जमाया जिसे देखते हुए लोग यह बात कहने से नही चूक रहे थें कि ऐसा तो नही कि यह पशु भी अब अपनी किसी बात को लेकर पुलिस थाने में नगरवासियों की मनमानी की शिकायत लेकर पहुंचे हो और पुलिस के थाने में मौजूद नही रहने की स्थिति में पशुओं द्वारा थाने के सामने ही धरना देने का निर्णय ले लिया गया हो जिसके चलते वह पुलिस थाने के सामने खड़े होकर किसी बड़े अधिकारी के आने का इंतजार कर है? इस प्रकार से पुलिस थाने के समाने जब लोगों द्वारा पशुओं का यह दृश्य देखा गया और पुलिस थाने में किसी भी प्रकार से कोई कर्मचारी या अधिकारी नजर नही आये तो इस दृश्य को देखने के लिए लोगों का पुलिस थाने के समाने हुजूम लगने से नही चूका।

सांईखेड़ा-गाडरवारा प्रदेश स्तर के मार्ग पर निकले गये गड्डे वाहन चालकों के लिये बजा रही मौत का सायरन

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

कहने के लिये तो सांईखेड़ा से गाडरवारा की ओर जाने वाला यह मार्ग प्रदेश के नक्से में प्रदेश स्तरीय मार्ग के रूप में दर्जा प्राप्त किये हुये है। मगर इस मार्ग पर निकल रहे गड्डे निश्चित तौर से संपूर्ण भारत वर्ष में इस मार्ग पर निकले हुये गड्डे क्षेत्र का नाम रोशन करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। क्योंकि प्रदेश स्तरीय मार्ग होने के चलते यह मार्ग प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर को सीधे प्रदेश की राजधानी भोपाल से जोड़ता है। इसी के चलते इस मार्ग से प्रतिदिन देश के कौने कौने में निवास करने वाले लोगों का निकलना होता है। इस स्थिति में जब वह लोग सांईखेडा व गाडरवारा के बीच से गुजरते है तो ग्राम देवरी मढवानी के पास मुख्य मार्ग पर बने हुये गड्डो के बीच गांव की गंदी नालियों का भरा हुआ पानी क्षेत्र की पहचान बचाने में पीछे नही रहता है। वही दूसरी ओर इस गंदगी से वाहन

निकलने वालों की नजर में सरकार द्वारा स्वच्छता का संदेश देते हुये चलाये जा रहे स्वच्छ भारत को भी ग्रहण लगने से नही चूक रहा है? इस तरह मुख्य मार्ग पर निकले रहे इन गड्डो की सच्चाई को देखते हुये आये दिन क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से लेकर क्षेत्र के अधिकारियों का भी यहां से निकलना होता है। वही दूसरी ओर मीडिया द्वारा जब इस सच्चाई को लगातार उजागर किया गया था तो कुछ माह पहले सुधार कार्य के नाम पर निभाई गई औपचारिकता के दौरान जिस तरह पान में चमन बाहर की तरह डामर का उपयोग करते हुये किये गये सुधार कार्य के चलते चंद दिनों के बाद फिर गड्डो द्वारा अपना पुराना स्वरूप धारण करते हुये आमजन के लिये मौत का सायरन बजाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? क्योंकि बडे वाहन तो यहां से किसी तरह निकल जाते है। मगर सबसे अधिक परेशान उन छोटे वाहन चालकों को झेलनी पड़ती है जो इन गड्डो में फंस जाने के बाद गंदगी के बीच परेशान होते है। वही मोटर साईकिल चालको को तो आये दिन इन गड्डो में गिरकर घायल होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है।

खबर संक्षेप

पशुपालकों के लिए संजीवनी बनी 1962 एम्बुलेंस सेवा, घर बैठे पशुओं का उपचार

अनूपपुर। जिले के पशुपालकों के लिए पशुधन संजीवनी योजना के तहत संचालित चलित पशु चिकित्सा इकाई (मोबाइल एम्बुलेंस) वरदान साबित हो रही है। इस सेवा के जरिए अब बीमार पशुओं को अस्पताल ले जाने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि डॉक्टर खुद पशुपालक के घर पहुँच रहे हैं। योजना के तहत एम्बुलेंस में तैनात पशु चिकित्सक और सहायक, आवश्यक दवाओं और आधुनिक उपकरणों के साथ मौके पर पहुँचते हैं। इस सेवा के माध्यम से बीमार पशुओं के इलाज के साथ-साथ मौके पर ही टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान की सेवाएं भी दी जा रही हैं। इस घर पहुँच सेवा का लाभ उठाने के लिए पशुपालकों को टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल करना होता है। कॉल सेंटर पर शिकायत दर्ज होते ही जीपीएस के माध्यम से नजदीकी एम्बुलेंस को पशुपालक के घर के लिए रवाना कर दिया जाता है। यह सेवा प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक चालू रहती है। शासन द्वारा इस आपातकालीन सेवा के लिए बहुत ही नाममात्र का शुल्क तय किया गया है। योजना के अंतर्गत गाय और भैंस के सभी प्रकार के उपचार व सेवाओं के लिए 150 रुपये तथा कुत्ते व बिल्ली के इलाज के लिए 300 रुपये का शुल्क निर्धारित है।

मैकल पार्क में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

अमरकंटक। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आगामी 21 जून को पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित मैकल पार्क में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग रखी गई है। सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से प्रारंभ होकर 7:45 बजे तक संचालित होगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पुष्पराजगढ़ वसीम भट्ट को नोडल अधिकारी तथा जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

दरारें भरकर की जा रही है लीपापोती

45 करोड़ की सीसी सड़क निर्माण के दो साल के भीतर आई दरारें, गुणवत्ता पर उठे सवाल

डिंडौरी। जिले के विकास के लिए बड़ी उपलब्धि बताई गई बजाग-समनापुर सीसी सड़क अब अपनी गुणवत्ता को लेकर सवालों के घेरे में आ गई है। लगभग 45 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित और करीब 32 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण हुए अभी दो वर्ष ही बीते हैं, लेकिन सड़क कई स्थानों पर दरकने लगी है। जगह-जगह आई दरारों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, विभागीय निगरानी और करोड़ों रुपये की सार्वजनिक राशि के उपयोग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग द्वारा बजाग और समनापुर जनपद मुख्यालय को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस सीसी सड़क का निर्माण कराया गया था। निर्माण कार्य का जिम्मा जीआरटीसी कंपनी को सौंपा गया था। सड़क निर्माण के समय इसे क्षेत्र के लिए विकास की नई राह बताया गया था, जिससे ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद थी। लेकिन निर्माण के कुछ समय बाद ही सड़क की वास्तविक स्थिति सामने आने लगी।

निर्माण के दौरान भी उठे थे सवाल

स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान ही कार्य की गुणवत्ता को लेकर कई बार सवाल उठाए गए थे। निर्माण सामग्री, कार्यप्रणाली और गुणवत्ता नियंत्रण को लेकर शिकायतें भी सामने आई थीं। हालांकि उस समय जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा सभी कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप बताया गया और शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। अब जब सड़क में जगह-जगह दरारें दिखाई देने लगी हैं, तब लोगों को लग रहा है कि निर्माण के दौरान उठाई गई आशंकाएं निराधार नहीं थीं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि उस समय शिकायतों की निष्पक्ष जांच की जाती और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा होती, तो शायद आज सडक की दुर्दषा ऐसी नहीं होती।

दो साल में दरकी सड़क, उठ रहे तकनीकी सवाल

सीसी कंक्रीट सड़कें आमतौर पर लंबे समय तक टिकाऊ मानी जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार सही तकनीक और गुणवत्ता के साथ निर्मित सीसी सड़कें कई वर्षों तक बिना किसी बड़े नुकसान के उपयोग में रहती हैं। ऐसे में निर्माण के महज दो वर्ष के भीतर सड़क में चैड़ी दरारें पड़ना कई तकनीकी सवाल खड़े कर रहा है। लोगों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन किया गया होता, तो इतनी जल्दी सड़क की सतह प्रभावित नहीं होती। अब यह चर्चा का विषय बन गया है कि आखिर सड़क में दरारें पड़ने के पीछे वास्तविक कारण क्या हैं। क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता कमजोर थी, क्या तकनीकी मानकों की अनदेखी की गई, या फिर निर्माण कार्य की निगरानी में लापरवाही बरती गई?

निर्माण ऐंजेसी द्वारा की जा रही है लीपापोती

सड़क में आई दरारों को देखते हुए संबंधित एजेंसी द्वारा मरम्मत कार्य शुरू किया गया है। सड़क की दरारों को भरकर स्थिति सुधारने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल दरारों को भर देने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। ग्रामीणों का तर्क है कि जब तक दरारों के वास्तविक कारणों की तकनीकी जांच नहीं होगी, तब तक भविष्य में फिर से यही समस्या सामने आ सकती है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़क में इतनी जल्दी आई खराबी को केवल सामान्य मरम्मत मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। बजाग-समनापुर सड़क परियोजना में लगभग 45 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है। ऐसे में सड़क की मौजूदा स्थिति को लेकर लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास कार्यों के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन यदि निर्माण कार्य टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण नहीं होगा तो जनता को उसका वास्तविक लाभ कैसे मिलेगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क निर्माण में खर्च की गई राशि जनता के कर से प्राप्त धन है, इसलिए निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करना विभाग और निर्माण एजेंसी दोनों की जिम्मेदारी है। यदि कहीं लापरवाही हुई है तो उसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह

फिलहाल सड़क की दरारों को भरने का कार्य जारी है, लेकिन क्षेत्रवासियों की निगाहें अब लोक निर्माण विभाग की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। लोग जानना चाहते हैं कि विभाग केवल मरम्मत तक सीमित रहेगा या फिर सड़क के खराब होने के वास्तविक कारणों की जांच कर दोषियों की जिम्मेदारी भी तय करेगा। बजाग-समनापुर सीसी सड़क क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना मानी जाती है। ऐसे में निर्माण के दो वर्ष के भीतर सामने आई यह स्थिति न केवल सड़क की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लगाती है, बल्कि विकास कार्यों में गुणवत्ता नियंत्रण और विभागीय निगरानी की व्यवस्था पर भी गंभीर बहस खड़ी करती है।

जन कल्याण शिविर में सैकड़ों हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

शहपुरा/डिंडौरी। जनपद पंचायत शहपुरा परिसर में बुधवार को जनकल्याण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना और उन्हें एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना रहा।शिविर में शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अमला उपस्थित रहा। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, किसान सम्मान निधि, श्रमिक कार्ड सहित अनेक शासकीय योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई।अधिकारियों द्वारा पात्र हितग्राहियों के दस्तावेजों का मौके पर ही सत्यापन किया गया तथा कई आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया। अनेक हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं लाभ संबंधी दस्तावेज भी शिविर स्थल पर ही प्रदान किए गए, जिससे ग्रामीणों में उत्साह देखा गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रहे हैं, क्योंकि विभिन्न योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध हो जाता है।उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। साथ ही सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए।शहपुरा विकासखंड के विभिन्न ग्रामों से आए सैकड़ों ग्रामीणों ने शिविर में भाग लिया। ग्रामीणों ने बताया कि ऐसे शिविरों से उन्हें सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ते और योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त हो जाता है।अधिकारियों ने संबंधित विभागीय कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति लाभ से वंचित न रह सके।

साम्हर में जल संकट के खिलाफ ग्रामीणों की पहल

श्रमदान से तालाब संवारा, पानी बचाने का अनोखा अभियान

डिंडौरी। जल संकट से जूझ रहे डिंडौरी जिले के अमरपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत साम्हर के पोषक ग्राम मोहगांव के ग्रामीणों ने सामूहिक प्रयास और श्रमदान के माध्यम से एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। लंबे समय से गांव में बनी हुई पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए जब कोई ठोस पहल नजर नहीं आई, तब ग्रामीणों ने स्वयं जिम्मेदारी संभालते हुए गांव के तालाब की सफाई का कार्य शुरू कर दिया। गांव में वर्षों से पेयजल संकट की समस्या बनी हुई है। गर्मी के दिनों में जल स्रोतों का जलस्तर लगातार नीचे जाने से ग्रामीणों को पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार समस्या के समाधान की मांग उठाई गई, लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए। ऐसे में ग्रामीणों ने किसी बाहरी सहायता का इंतजार करने के बजाय स्वयं आगे बढ़कर जल संरक्षण की दिशा में कदम उठाने का निर्णय लिया। ग्रामीणों ने एकजुट होकर श्रमदान अभियान की शुरुआत की और गांव के तालाब की सफाई का कार्य शुरू किया। तालाब में जमा गाद, मिट्टी और अन्य अवरोधों को हटाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस अभियान में गांव के बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं सहित सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों का मानना है कि तालाब की सफाई और गहरीकरण से उसकी जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि होगी। आगामी बारिश के दौरान अधिक मात्रा में वर्षा जल तालाब में संचित हो सकेगा, जिससे भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही गांव में पेयजल की उपलब्धता बेहतर होने की संभावना है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि तालाब में पर्याप्त पानी उपलब्ध रहने से पशुओं को पानी मिलेगा तथा कृषि कार्यों में भी सहायता प्राप्त होगी। गांव के वरिष्ठ नागरिकों का कहना है कि पुराने समय में तालाब गांव की जीवन रेखा हुआ करता था। समय के साथ उनकी उपेक्षा होने से जल संकट की स्थिति उत्पन्न हुई है। मोहगावं के ग्रामीणों की यह पहल सामुदायिक भागीदारी, जन सहयोग और आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आई है। ग्रामीणों ने यह संदेश दिया है कि यदि समाज किसी समस्या के समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करे तो सीमित संसाधनों में भी सकारात्मक बदलाव संभव है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि तालाब की सफाई का यह प्रयास आने वाले वर्षों में गांव के लिए लाभकारी साबित होगा और जल संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बनेगा। मोहगावं का यह अभियान क्षेत्र के अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है, जहां लोग अपने स्तर पर जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में पहल कर सकते हैं। ग्रामीण नीरज नागेष, दीपलता नागेश और मनोज लोमेश ने बतलाया कि जिले में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया द्वारा जल संरक्षण और जन भागीदारी को बढावा देने के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों का यह सकारात्मक असर है। कलेक्टर की प्रेरणा से ही यह अभियान शुरू किया गया है, और गांव में गहराये जल संकट के समाधान के लिए यह पहल की जा रही है।

मेहंदवानी में दो दिवसीय जनकल्याण शिविर सम्पन्न, सैकड़ों हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

डिंडौरी। आकांक्षी विकासखंड मेहंदवानी में केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय जनकल्याण शिविर का गुरुवार को सफल समापन हुआ। 17 एवं 18 जून को जनपद पंचायत मेहंदवानी परिसर में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न शासकीय सेवाओं और योजनाओं का लाभ प्राप्त किया।शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजन को योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों के पंजीयन, दस्तावेज सुधार, ई-केवाईसी तथा अन्य आवश्यक कार्यों का मौके पर ही निराकरण किया गया।दो दिवसीय शिविर के दौरान आधार कार्ड के नवीन पंजीयन एवं सुधार के 122 प्रकरणों का निराकरण किया गया। वहीं 72 हितग्राहियों को संबल कार्ड वितरित किए गए तथा 86 लोगों के समग्र ई-केवाईसी एवं सुधार कार्य संपन्न किए गए। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से 52 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 14 तथा शिक्षा विभाग द्वारा 6 हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने 113 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया।इसके अलावा राजस्व विभाग (उप तहसील मेहंदवानी), जल जीवन मिशन तथा दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित विभिन्न विभागों ने शिविर में सक्रिय सहभागिता निभाई। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और नागरिकों को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना है। शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया, जिससे शासन की जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति मिली है।स्थानीय नागरिकों ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध होने से समय और संसाधनों की बचत हुई है। साथ ही योजनाओं की जानकारी और लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया भी अधिक सरल एवं सुगम बनी है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शुक्रवार 19 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

कामधेनु गौशाला में जिला स्तरीय गौशाला संचालक सम्मेलन संपन्न

गौशालाओं को स्वावलंबी और ग्राम उन्नयन का केंद्र बनाना मुख्य लक्ष्य- कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि राज्य सरकार गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने और गौशालाओं का बेहतर संचालन करने के लिए लगातार मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि गौशाला संचालकों को पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, चारा व्यवस्था, साफ-सफाई इत्यादि पर विशेष ध्यान देना चाहिए, जिससे गौशालाओं में दुग्ध का बेहतर उत्पादन हो सके और गौशाला एक आर्थिक रूप से सशक्त बन सके। श्रीमती सिंह ने कहा कि गौशाला के पशुओं का गोबर और गौमूत्र को व्यावसायिक उपयोग में लिया जाए। गौशालाओं में गौ-काष्ठ, वर्मी कंपोस्ट (केंचुआ खाद) और गोबर के दीये जैसे विभिन्न उत्पाद तैयार कर बाजार में विक्रय किया जाए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह बुधवार को ग्राम मोहद विकासखंड करेली में आयोजित जिला स्तरीय गौशाला संचालक सम्मेलन को संबोधित कर रही थी। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ गौ पूजन और महाराणा प्रताप एवं महाराजा छत्रसाल के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, जनपद पंचायत करेली की अध्यक्ष प्रतिज्ञा परिहार ग्राम मोहद की सरपंच श्रीमती सुनीता चैहान तथा विभिन्न क्षेत्रों से आए पशु चिकित्सक, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, विभिन्न गौशालाओं के संचालक, गौ सेवक और गौ मैत्री कार्यकर्ता मौजूद थे। गौशाला प्रांगण में पौधरोपण किया। कार्यशाला में कृषि, आजीविका मिशन, आत्मा परियोजना और ग्रामीण विकास विभाग के बीच आपसी तालमेल से पशुपालन को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। यह कार्यक्रम सावित्री बाई जन समिति एवं पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया।

कलेक्टर ने कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जिले की गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाना, आधुनिक तकनीकों का प्रचार-प्रसार करना और गौवंश के संवर्धन हेतु विस्तृत रणनीतियां तैयार करना है। जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जिले की पांच गौशालाओं का चयन कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ और पुण्यतिथि जैसे अवसरों पर गौशालाओं में आकर गौ-ग्रास, भूसा व अन्य आवश्यक उपकरण दान करें। सभी पशुपालक वर्षा ऋतु से पहले अपने-अपने पशुओं का टीकाकरण कर एफएमडी (खुरपका-मुंहपका) से बचाव सुनिश्चित करें। गौशालाओं में जन्म लेने वाले बछड़ों को कृमिनाशक (डीवर्मिंग) और संतुलित आहार देकर स्वस्थ रखा जाए। अतिक्रमण से मुक्त कराई गई गौशालाओं की भूमि पर चारागाह का उत्पादन करें। उपसंचालक डॉ. सुनील बृजपुरिया ने कहा कि गौशालाओं को सिर्फ आश्रय स्थल नहीं, बल्कि दूध उत्पादन और उच्च नस्ल के पशुओं का केंद्र बनाया जाएगा। कार्यशाला में डॉ. बी.के. मुड़िया ने कहा कि जिले में साइलेज (हरे चारे को सुरक्षित रखने की तकनीक) का उत्पादन तो अच्छा हो रहा है। उन्होंने इसके लिए पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से साइलेज बनाने और इसके फायदों की जानकारी दी। डॉ. पूनम दोहरे और डॉ. श्रेया दुबे द्वारा आयोजित कार्यशाला में गौ सेवकों को तकनीकी उन्नयन, कृत्रिम गर्भाधान- एआई का रिफ्रेशर का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने फील्ड में आने वाली समस्याओं का निराकरण और आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. बी.के. मुड़िया ने पशुओं के लिए उत्तम पोषण प्रबंधन के अंतर्गत साइलेज मेकिंग (हरे चारे को सुरक्षित रखने की विधि) विषय पर व्याख्यान दिया।

हायर सेकेण्डरी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के विभिन्न विद्यालयों में हायर सेकेंण्डरी परीक्षा 12वीं में प्रदेश, जिला तथा विद्यालय स्तरीय प्रावीण्य सूची में उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह एम.आई.एम.टी. कॉलेज में आयोजित किया गया। कला संकाय द्वारा आयोजित आयोजन फादर वर्गीस, प्राचार्य, चावरा विद्यापीठ के मुख्य आतिथ्य, सरदार हरजीत सिंह छावड़ा, प्राचार्य, खजांची रामकली बाई उ.मा. विद्यालय करेली के विशिष्ट आतिथ्य, डॉ. अशोक कुमार गर्ग प्राचार्य एम.आई.एम.टी. कॉलेज की अध्यक्षता, शिक्षाविद् सुशील दीक्षित एवं डॉ. अशोक उदेनिया की उपस्थिति में किया गया। डॉ. गर्ग ने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्र - छात्राओं को प्रतिभा सम्मान से प्रोत्साहित होकर बेहतर भविष्य निर्माण की शुभकामनाएं प्रेषित की। डॉ. उदेनिया द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त करने तथा अपनी क्षमताओं को पहचानने एवं माता-पिता का नाम रौशन करने की प्रेरणा दी। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया।

ये हुए पुरूष्कृत -

राजेश्वरी कौरव, निकिता लोधी, हेमलता कोरी, काजल घोषी, दीपशिखा कौरव, बिंदेश्वरी दुबे, शिवानी विश्वकर्मा, प्रथा कौरव, निकिता काछी, रामदेवी कहार, महेन्द्र मेहरा, शालिनी लोधी, कल्पना लोधी, शीतल ठाकुर, जितेन्द्र पटेल, अरविंद नौरिया, सिद्धी लोधी, श्रष्टि श्रीवास, ईशु लोधी, भारती लोधी, दुर्गा यादव, पलक विश्वकर्मा, रामदयाल मल्लाह, भारती श्रीवास्तव को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

श्री तिवारी को जिला शिक्षा अधिकारी का प्रभार दिया गया

नरसिंहपुर।जिले के शिक्षा विभाग में प्रभारी को हटाकर प्रभारी बनने का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा। एक बार फिर राज्य शासन के निर्देशानुसार सहायक संचालक प्रवीण कुमार तिवारी को जिला शिक्षा अधिकारी का प्रभार दिया गया है।उल्लेखनीय है कि वर्तमान में प्राचार्य अनिल कुशवाहा प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी है।

जिम्मेदारों के खिलाफ अपराध दर्ज किया जाए

हरिभूमि न्यूज-नरसिंहपुर। एन एच ए आई -44-छिंदवाड़ा बाईपास पर शासकीय सम्पति को नुकसान होने के कारण प्रोजेक्ट डायरेक्टर विभाग पर अधिनियम 1984 के तहत F.I.R दर्ज की जाए। उक्त मांग भूतपूर्व जिला सैनिक संघ के अध्यक्ष लाल साहब जाट ने पुलिस अधीक्षक से की है। श्री जाट ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पत्र देकर बताया है कि एन एच ए आई -44

छिंदवाड़ा बाईपास ब्रिज के नीचे लाखों रुपए की लागत से गार्डन बनाया गया है। जिसमें माली के लिये मकान पौधों की सिंचाई के लिये ट्यूबवेल रोशनी के लिये बिजली की व्यवस्था की गई है। परंतु विगत एक वर्ष से अव्यवस्थता के चलते माली को बंद कर दिया. मकान तोड़ दिया, ट्यूबवेल से मोटर निकाल ली गई है। बिजली बंद कर दी गई। बाउंड्री वॉल क्षतिग्रस्त कर दी गई है। इस विभाग की लापरवाही के कारण यह नुकसान हो रहा है और शिकायत के बाद कार्रवाई नहीं की जा रही। अतः लगभग 50 लाख से बना यह स्थान अव्यवस्थित हो गया है। साथ ही आस-पास अतिक्रमण हो रहा जिसकी जानकारी विभाग को है। किंतु विभाग उदासीन बना है। वहीं ब्रिज के पास रोड से 50 मीटर की दूरी पर शरण ठेका खोलने की तैयारी चल रही है। जबकि एन एच ए आई रोड से 500 मीटर की दूरी आवश्यक है। किंतु यह सब विभाग की मिलीभगत से हो रहा है। ब्रिज के नीचे दोनों तरफ नालिया बजबजा रही हैं।

शासकीम सम्पति के प्रति लापरवाही उदासीनता देखते हुए जिम्मेदारों के खिलाफ अपराध दर्ज किया जाए । लालसाहब जाट ने बताया कि वे कलेक्टर और अन्य संबंधित उच्च अधिकारियों को भी शिकायत कर रहे हैं।

पोस्टर प्रदर्शनी "तस्वीरें बोलती हैं" का आयोजन कल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारतीय पत्रकारिता के दो सौ वर्षों की गौरवशाली यात्रा, उसके संघर्ष, सरोकार और सामाजिक योगदान को केंद्र में रखकर विशेष पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन पुणे निवासी दीप्ति कुशवाह द्वारा नरसिंहपुर में किया जा रहा हैद्य वे नगर के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. जे. एल. पटेल की सुपुत्री हैंद्य एम. आई. एम. टी. हिन्दी अकादमी, नरसिंहपुर द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में दीप्ति कुशवाह द्वारा संकल्पित और निर्मित 50 पोस्टर प्रदर्शित किए जाएंगे, जिन्हें कोलाज शैली में तैयार किया गया है। इन पोस्टरों में भारतीय पत्रकारिता से जुड़ी तथ्यात्मक सामग्री, रोचक प्रसंग, नई जानकारियां, प्रेरक उद्धरण, कविताएं, शेर तथा साहित्यिक संदर्भ समाहित किए गए हैं। उद्घाटन के अवसर पर कैलाश सोनी, पूर्व सांसद, राज्यसभा, पं. मैथिलीशरण तिवारी और सुनील कोठारी उपस्थित रहेंगे। 20 जून शनिवार को सुबह 11 बजे से संध्या 7 बजे तक, एम. आई. एम. टी. कॉलेज परिसर में इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया जा सकेगा

नरसिंह मंदिर प्रांगण में योग संगम कार्यक्रम का आयोजन होगा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला आयुष अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि मप्र शासन एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय नरसिंहपुर स्थित नरसिंह मंदिर प्रांगण में 21 जून 2026 को ष्योग संगमष कार्यक्रम का आयोजन प्रात 6 बजे से किया जाएगा। जिले के जनप्रतिनिधियों, समस्त अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक संगठनों, योग संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की गई है।

सभी प्रकार के सड़क मार्ग एवं भूमिगत खुदाई कार्यों को 22 जून तक प्रतिबंधित करने का आदेश

हरिभूमि न्यूज-नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने लोकहित एवं अतिविशिष्ट सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए जबलपुर-गोटेगांव-छिंदवाड़ा-नागपुर ओ.एफ.सी. मार्ग में जिले की राजस्व सीमा अंतर्गत आने वाले समस्त राष्ट्रीय राजमार्ग (एन.एच.ए.आई.), मप्र सड़क विकास निगम (एम.पी.आर.डी.सी.), लोक निर्माण विभाग (पी.डब्ल्यू.डी.), मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल निगम, गैस पाइप लाइन, सीवर लाइन, म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि., नगर पालिकाओं नगर परिषदों और निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों द्वारा किए जा रहे सभी प्रकार के सड़क मार्ग एवं भूमिगत खुदाई कार्यों को 18 से 22 जून तक तत्काल प्रभाव से पूरी तरह प्रतिबंधित करने का आदेश जारी किया है। इस अवधि में कोई भी शासकीय, अर्द्धशासकीय विभाग या निजी एजेंसी नई खुदाई का कार्य प्रारंभ नहीं करेगा, ताकि बी.एस.एन.एल. की ऑप्टिकल फाइबर केबल्स को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुंचे। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने संबंधित समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी, तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी और संबंधित विभागों के कार्यपालन यंत्री अपने-अपने क्षेत्रों में इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। जारी आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित एजेंसी या उत्तरदायी अधिकारी के विरूद्ध वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि भारत के महामहिम माननीय राष्ट्रपति जी का मध्यप्रदेश के जबलपुर, इंदौर, बैतूल, श्री ओंकारेश्वर मंदिर, ग्वालियर एवं कूनो राष्ट्रीय उद्यान में प्रवास अवधि 18 से 22 जून 2026 के दौरान जिले में अति-विशिष्ट सुरक्षा एवं निर्बाध दूरसंचार व्यवस्था सुनिश्चित की जानी है।

ग्राम धरमपुरी में भागवत कथा आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नर्मदा तटीय गांव धरमपुरी में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक 15 जून से 21 जून 2026 तक आयोजन किया जा रहा है। भागवत कथा श्रीकृष्णानुरागी अभिषेक मिश्रा व्यासपीठ पर विराजमान होकर अपनी रसवर्षिणी वाणी से श्रीमद् भागवत के दिव्य प्रसंगों का अमृतपान करा रहे हैं । कथा धरमपुरी ग्राम के समस्त श्रद्धालुओं द्वारा भक्तिभाव से आयोजित की गई है जिसमें आसपास के श्रद्धालुओं की भीड़ भी उमड़ रही है ग्रामवासियों ने सभी से इस धर्म यज्ञ में पुण्य लाभ लेने की अपील की है ।

शिक्षकों का प्रदर्शन शंखनाद संपन्न,कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिला नरसिंहपुर के नेतृत्व में गुरुवार, को जिला मुख्यालय पर विशाल महाप्रदर्शन शंखनाद सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आंदोलन में जिले भर से आए सैकड़ों शिक्षकों ने एकजुट होकर 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता से स्थायी छूट देने की आवाज बुलंद की।

डाइट प्रांगण से कलेक्ट्रेट तक निकाली रैली

कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 3 बजे डाइट प्रांगण में शिक्षकों के एकत्रीकरण के साथ हुई। इसके बाद सैकड़ों शिक्षकों ने रैली निकाली। हाथों में तख्तियां लिए और गगनभेदी नारे लगाते हुए शिक्षक जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। वहां संघ के प्रतिनिधिमंडल ने माननीय प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री , मुख्यमंत्री मप्र शासन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री मप्र नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

अध्यादेश लाने और वरिष्ठता संरक्षण की मांग

ज्ञापन सौंपते हुए जिला अध्यक्ष सत्यप्रकाश त्यागी ने कहा कि संसद के आगामी मानसून सत्र में एक्ट में संशोधन कर 23 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त सभी शिक्षकों की सेवा, वरिष्ठता और पदोन्नति का पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से तत्काल अध्यादेश जारी करने की मांग की गई। जिला सचिव कमलेश श्रीवास्तव और कोषाध्यक्ष राजेश ठाकुर ने संयुक्त रूप से कहा कि वर्ष 2010 से पहले के शिक्षकों की नियुक्तियां तत्कालीन नियमों के तहत पूरी तरह वैध हैं। इतने वर्षों की सेवा के बाद उन पर उम्र की शर्त थोपना प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध है। यह आंदोलन शिक्षकों के सम्मान और आजीविका को बचाने की लड़ाई है।

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने की जनसुनवाई,

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल गुरुवार को अपने नरसिंहपुर स्थित निवास पर जनसुनवाई करते है इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और सीधे तौर पर अपनी बात रखी जनसुनवाई के दौरान कुल 344 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के लिए भेजा गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व, बिजली, पानी, सड़क, पेंशन एवं अन्य शासकीय योजनाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि हर गुरुवार को आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई में जिले के कोने-कोने से लोग पहुंचते हैं।

दो वार्डों में छह दिनों से पानी की सप्लाई बंद, लोग परेशान

गोटेगांव। नगर के जागृति नगर भगतसिंह वार्ड, जागृति नगर एवं ठाकुर बाबा वार्ड में पिछले छह दिनों से पेयजल आपूर्ति ठप होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच पानी की समस्या से वार्डवासियों में नाराजगी है।स्थानीय लोगों के अनुसार पानी की मोटर खराब होने के कारण घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इसके चलते लोगों को रोजमर्रा के कार्यों के लिए दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है। वार्डवासियों ने समस्या की शिकायत पार्षद और नगर पालिका से की, लेकिन लगभग एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी समाधान नहीं हो सका।लोगों ने नगर प्रशासन से जल्द मोटर सुधारकर नियमित जलापूर्ति बहाल करने की मांग की है।

इनका कहना है: जानकारी प्राप्त हुई है। पानी की मोटर जल जाने के कारण सप्लाई प्रभावित हुई है। जल्द ही सुधार कार्य कराकर जलापूर्ति सुचारु कराई जाएगी।— **सत्येंद्र सालवार, सीएमओ, नगर पालिका गोटेगांव**

तहसील भवन टूट रहा, महत्वपूर्ण सरकारी रिकॉर्ड रद्दी की तरह पड़े

गोटेगांव। नगर के पुराने एवं क्षतिग्रस्त तहसील कार्यालय भवन को तोड़ने का कार्य जारी है, लेकिन भवन में रखे महत्वपूर्ण सरकारी रिकॉर्ड की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। विभिन्न विभागों के दस्तावेज अभी भी कमरों में बिखरे पड़े हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि न तो अधिकारियों ने रिकॉर्ड को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की व्यवस्था की और न ही भवन ध्वस्तीकरण कर रहे ठेकेदार द्वारा कोई सुरक्षा इंतजाम किए गए। ऐसे में धूल-मिट्टी, मलबे और बारिश के कारण महत्वपूर्ण दस्तावेजों के नष्ट होने का खतरा बढ़ गया है।बताया जा रहा है कि इन अभिलेखों में राजस्व, भूमि एवं आम नागरिकों से जुड़े कई महत्वपूर्ण रिकॉर्ड शामिल हो सकते हैं। नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल संज्ञान लेकर सभी दस्तावेजों को सुरक्षित स्थान पर रखवाने की मांग की है।

उधारी के पैसे मांगने पर सराफा व्यापारी से मारपीट, जान से मारने की धमकी

गोटेगांव। नगर के सराफा बाजार मेन रोड स्थित एक सराफा व्यापारी के साथ उधारी के पैसे मांगने पर दो भाइयों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घायल व्यापारी ने थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।फरियादी ने बताया कि उसकी सराफा बाजार मेन रोड पर सोना-चांदी की दुकान है। सामने स्थित रितिक जैन की किराना दुकान से उसने पूर्व में सोने-चांदी का सामान लिया था। बुधवार शाम करीब 8 बजे जब वह उधारी की रकम मांगने रितिक जैन की दुकान पहुंचा तो उसने पैसे न होने की बात कही। इस पर सामान वापस करने को लेकर विवाद हो गया।आरोप है कि रितिक जैन और उसका बड़ा भाई रोहित जैन गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर रितिक ने बेसबॉल के डंडे से हमला किया, जबकि रोहित ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की। हमले में व्यापारी के सिर, माथे और दाहिने कंधे पर चोटें आईं और सिर से खून निकलने लगा।घटना के प्रत्यक्षदर्शी महेश सोनी एवं विनीत पटेल बताए जा रहे हैं। पीड़ित के अनुसार जाते समय आरोपियों ने दोबारा पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रोपे पौधे प्यासे, एक सप्ताह में सूखे और मरे पौधे

सरकारी रिकॉर्ड में हरियाली बढ़ती दिखती है, जबकि धरातल पर पौधों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है।पोधोरोपण पर होता है गोलमालसूत्रों के अनुसार,

पौधारोपण अभियानों में हर साल हजारों रुपये के बिल लगाए जाते हैं। आरोप यह भी हैं कि खरीदे गए पौधों की संख्या को कागजों में वास्तविक संख्या से अधिक दर्शाया जाता है। वहीं जो पौधे वास्तव में लगाए जाते हैं, उनकी देखरेख और सिंचाई की समुचित व्यवस्था नहीं होने से वे भी सूखकर नष्ट हो जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह केवल पर्यावरण संरक्षण के नाम पर खानापूर्ति ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक धन के उपयोग पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।औपचारिक रहा पर्यावरण दिवसविश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें जीवित रखकर हरियाली विकसित करना है। यदि पौधारोपण के बाद संरक्षण की व्यवस्था नहीं की जाती, तो ऐसे अभियान केवल फोटो और भाषणों तक सीमित होकर रह जाते हैं। वर्तमान स्थिति में नगर पालिका का हरियाली अभियान भी कुछ ऐसा ही प्रतीत हो रहा है, जहां आगे पाठ, पीछे सपाट वाली कहावत चरितार्थ होती नजर आ रही है।

करेली नरसिंहपुर:फोटो सेशन तक सीमित रहा पौधारोपण, संरक्षण के दावों की खुली पोलकरेली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका द्वारा बड़े उत्साह के साथ पौधारोपण अभियान चलाया गया। मंचों से पर्यावरण संरक्षण और पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने के बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। रोपे गए कई पौधे पानी के अभाव में एक सप्ताह के भीतर ही सूख गए, जबकि कुछ पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं।बिना पानी के सूखे पौधेस्थानीय लोगों का आरोप है कि पौधारोपण कार्यक्रम के बाद नगर पालिका ने रोपे गए पौधों की सुध तक नहीं ली। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच एक भी दिन नियमित सिंचाई नहीं कराई गई। ऐसे में पौधों का जीवित रह पाना असंभव था। हाल ही में हुई बारिश से कुछ पौधों को जरूर जीवनदान मिला, लेकिन इससे पहले ही कई पौधे सूखकर दम तोड़ चुके थे।मंच से संरक्षण की बाते जमीनी हकीकत उलटीनगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी मंच से यह कहते नजर आए थे कि पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षण देना आवश्यक है, लेकिन वास्तविकता यह है कि रोपण के तुरंत बाद ही संरक्षण की जिम्मेदारी भुला दी गई। इससे यह सवाल खड़ा होता है कि क्या पौधारोपण का उद्देश्य वास्तव में हरियाली बढ़ाना था या केवल औपचारिकता निभाकर फोटो सेशन कराना है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के नाम पर बड़े स्तर पर पौधारोपण के दावे किए जाते हैं, लेकिन अधिकांश पौधे उचित देखरेख के अभाव में कुछ ही दिनों में नष्ट हो जाते हैं। ऐसे में

जलअर्पण दिवस पर ग्रामीणों ने लिया जलसंरक्षण और स्वच्छ पेयजल का संकल्प

करेली नरसिंहपुर:जन कल्याण शिविर के अंतर्गत जल अर्पण दिवस कार्यक्रम का आयोजन ग्राम बांसखेड़ा विकासखंड चांवरपाठा एवं ग्राम बीनेर विकासखंड करेली में उत्साहपूर्वक किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत जल बंधन एवं जल वंदना गतिविधि में ग्राम में संचालित नल-जल योजनाओं के नलों को पुष्पों से सजाया गया तथा ग्रामीण महिलाओं एवं सरपंच द्वारा पूजा-अर्चना कर जल स्रोतों के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। इसके पश्चात जल संकल्प कार्यक्रम में ग्रामीणों ने नल-जल योजनाओं के सुचारु संचालन, पेयजल स्रोतों जैसे ट्यूबवेल, सम्पवेल एवं नलों के रखरखाव, जल की गुणवत्ता बनाए रखने तथा पेयजल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने का सामूहिक संकल्प लिया।कार्यक्रम के दौरान हर घर जल घोषणा के तहत ग्रामीणों ने क्रियान्वित नल-जल योजनाओं की उपलब्धि का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जल के सदुपयोग का संदेश दिया। इस अवसर पर पंचायत सरपंच, सचिव, पंप ऑपरेटर, आशा कार्यकर्ता सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री सुनील परतेती, उपयंत्री माधुरी यादव, विकासखंड समन्वयक अनामिका श्रीवास्तव एवं हैंडपंप टेक्नीशियन ताज कुरेशी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।।- मनीश सोनी करेली नरसिंहपुरः